

Dr.Uttam Kumar

S.R.A.P College,Barachakia

Mob.No.8210561032

Session -2023-27

Faculty - Commerce

Class-Second Semester

Subject -Business Organisation



(5) सी. एफ. अर्चॉट के अनुसार, 'बिना लाभ के व्यवसाय, व्यवसाय नहीं है, नीक उरी प्रकार वे जैसे बिना लुग के घुरन्ना।'¹

[समालोचना—यह परिभाषा व्यवसाय के क्षेत्र की केवल लाभ कमाने तक ही सीमित करती है। अतः यह अपूर्ण एवं अपर्याप्त है।]

(II) विस्तृत अर्थ वाली परिभाषाएँ

(1) एफ. सी. हूपर के अनुसार, 'व्यवसाय से आशय वाणिज्य एवं उद्योग के सम्पूर्ण जटिल क्षेत्र, आन्वयन्त उद्योग प्राविधिक एवं निर्माणी उद्योगों तथा सहायक सेवाओं के बृहत् जाल, वितरण, बैंकिंग, बीमा, यातायात आदि से है, जो व्यवसायिक जगत की सहायता करते हैं तथा उसमें अन्तर्व्याप्त हैं।'²

[समालोचना—प्रस्तुत परिभाषा केवल एक वर्णनात्मक परिभाषा ही है, जिसमें व्यवसाय की विभिन्न क्रियाओं का मूल्यांकन करने का प्रयत्न किया गया है। इस दृष्टि से यह परिभाषा के व्यवसाय क्षेत्र पर प्रकाश डालती है, किन्तु आधुनिक यह परिभाषा अपूर्ण है।]

(2) हार्ट के अनुसार, 'व्यवसाय का अर्थ सामाजिक रूप से गठित उस विनिमय प्रणाली से है जो वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन एवं वितरण करती है।'³

[समालोचना—यह परिभाषा व्यवसाय को सामाजिक रूप से गठित विनिमय प्रणाली मानती है। इस विनिमय प्रणाली का कार्य वस्तुओं का उत्पादन एवं वितरण करना है। इस प्रकार यह परिभाषा भी व्यवसाय के प्राचीन उद्देश्यों पर आधारित है। आधुनिक विचारधारा में व्यवसाय को उपर्युक्त कार्यों के अतिरिक्त अपने सामाजिक उत्तरदायित्वों को निभाने के अन्य कार्य भी करने पड़ते हैं। इस प्रकार आधुनिक दृष्टि से यह परिभाषा अपूर्ण है।]

(3) डेविस तथा ब्लोमस्ट्रोम के अनुसार, 'व्यवसाय शब्द निजी और सार्वजनिक दोनों ही संस्थाओं को सम्बन्धित है जो कि समाज के आर्थिक मूल्यों का विकास एवं प्राविधिकरण करती हैं।'⁴

[समालोचना—यह परिभाषा व्यवसाय की एक विस्तृत परिभाषा है। यह निजी और सार्वजनिक दोनों क्षेत्रों की संस्थाओं को व्यवसाय के अन्तर्गत सम्मिलित करती है। इस परिभाषा से यद्यपि यह स्पष्ट नहीं होता कि व्यवसाय क्या है। किन्तु इसकी गहनता से अध्ययन करने पर यह अवश्य ही स्पष्ट हो जाता है कि इस परिभाषा में व्यवसाय बहुत ही व्यापक बनाने का प्रयास किया गया है।]

(4) जेम्स स्टीफेंसन के अनुसार, 'लाभोपार्जन की दृष्टि से किये जाने वाले मानवीय कार्य को ही व्यवसाय कहते हैं।'⁵

[समालोचना—व्यवसाय की यह परिभाषा भी अत्यधिक व्यापक है। इसके अनुसार प्रत्येक प्रकार की क्रिया जिसका उद्देश्य लाभोपार्जन करना हो, व्यवसाय कहलाती है। इसके अन्दर पेशा भी आता है। वही नहीं, बल्कि आधार पर तस्करी, चोरी, डकैती आदि कार्य को भी व्यवसाय कहना होगा, क्योंकि वे भी लाभोपार्जन के माध्यम से मानवीय कार्य हैं; किन्तु वास्तव में ऐसा है नहीं।]

(III) आधुनिक परिभाषाएँ

(1) उर्विक के अनुसार, 'व्यवसाय एक ऐसा उपक्रम है जो समुदाय के सदस्यों की आवश्यकताओं एवं सेवाओं को बनाता है, वितरित करता है अथवा उपलब्ध करता है।'⁶

[समालोचना—यदि देखा जाए तो उर्विक द्वारा दी गई परिभाषा एक संक्षिप्त किन्तु सारगर्भित है। इसमें समाज के लोगों की आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए वस्तुओं एवं सेवाओं के उत्पादन, वितरण पर बल दिया गया है। यह परिभाषा व्यवसाय के सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना से भी परिपूर्ण है। यह दिखाई देती है कि आधुनिक व्यवसाय केवल पुरानी आवश्यकताओं की ही पूर्ति नहीं करता अपितु नवीन वस्तुओं का उत्पादन करके नवीन आवश्यकताओं का सृजन भी करता है।]

1 "Business without profit is not business any more than a pickle is candy."

2 "It means the whole complex field of commerce and industry, the basic industries, processing and the net work of ancillary services, distribution, banking, insurance, transport and so on, which constitute the world of business and a whole."

3 "Business is the production of goods and services coupled with the distribution of those goods and an organised system of exchange."

4 "The term business refers to both private and public institutions, which develop and process economic activities."

5 "Business is an enterprise which makes, distributes or provides any article or service which others need."